S.S.P./L.W.N.P./265/02/2006-08
Mo.: 9935213686
R.N.I. No. 25078/72

40 सालों से मंसूरी समाज को फर्श से अर्श तक ले जाने वाला

मंसूरी पैग़ाम

लखनऊ 21

मायावती ने संभाली कमान

नए निज़ाम का नया मिजाज

- कानून का राज होगा, गुंडे जेल जाएँगे
- अपराधियों की मिली सुरक्षा वापस होगी
- दादरी परियोजना की फाइल फिर देखी जाएगी
- सर्वसमाज का विकास, दलितों को प्राथमिकता
- जहाँ जुल्म हुआ उन मामलों की जाँच होगी
- आर्थिक आधार पर सवर्णों के आरक्षण का पक्ष
- ईमानदार अफसरों को संरक्षण, बेईमान नपेंगे
- आरक्षण का कोटा पूरा किया जाएगा।

गोल घेरे में X क्रास का मतलब है कि आपकी फीस जमा नहीं है या खत्म हो गई है।

Scanned with OKEN Scanner

क्लार्क अवध होटल, लखनऊ में 10 जून को राठ में होने वाली इस्तमाई शादीयों के सिलसिलें में महमानों के साथ अनीस मंसूरी

फोटो का हवाला पेज 7

Scanned with OKEN Scanner

ISP/L.W./N.F/266/02/2006-08 R.N.I. No. 25078/72

मंसूरी पैग़ाम

16 साल, 25 हिस्सा, 7 जून 07

मेम्बर - एक साल 100 /= तीन साल 200 /=
लाईफ मेम्बर 1100 /= सरपरस्त 5100 /=

खानदाने मंसूरी पैग़ाम

बानिये तंजीम

आली जनाब मुनीर बख्श मंसूरी जालौनवी

सरपरस्त शोर-ए-इम्त्याजी

आली जनाब कलीमुद्दीन शम्स, कलकत्ता

आली जनाब एच० इब्राहीम, कर्नाटक

सरपरस्त

जनाब के० नूर मोहम्मद मंसूरी, अनन्तपुर

जनाब गुल मोहम्मद मंसूरी, जयपुर

जनाब हाजी रवीउल्ला मंसूरी, कानपुर

जनाब शेख मो० रफीक मंसूरी पार्षद, बम्बई

जनाब हाजी मो० तय्यब मंसूरी, बम्बई

प्रधान सम्पादक-

हाजी नबी बख्श मंसूरी M- 9935213686

सम्पादक-

मुख्तार अहमद मंसूरी M- 9415549312

आफिस नामानिगार-

आफताब आलम मंसूरी M- 9839829019

A.I.J.M. सोसाइटी उ०प्र० लखनऊ

ओहदेदारान

सदर - जनाब अनीस मंसूरी
Mo.: 9415109996

जनरल सेक्रेट्री - जनाब हाजी हनीफ मंसूरी
Mo.: 9935363786

वर्किंग सेक्रेट्री- जनाब मुख्तार मंसूरी
Mo.: 9956137512

खजांची - जनाब परवेज़ मंसूरी
Mo.: 9837281373

मण्डल सदर - जनाब शरीफ मंसूरी
Mo.: 9839076711

इदारिया

बहन कु० मायावती जी को इस बार मुख्यमंत्री की शक्ल में काम करने की जितनी आजादी मिली शायद ही उ०प्र० में कभी और किसी दूसरे मुख्यमंत्री को रही हो। आप तीन बार पहले भी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं लेकिन दूसरे दलों और गठवन्धन की वजह से वे अपने काम को अपनी मर्जी से नहीं कर पाती थीं। इस बार बहुमत से ज्यादा सीटें मिलने की वजह से पूरे रौब के साथ अपनी मन-मर्जी से हुकूमत करेंगी।

करीब १६ साल पहले 1991 में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला था। पार्टी ने मा० कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बनाया लेकिन कल्याण सिंह के खिलाफ गद्दी से हटाने का बार-बार दबाव पड़ता रहा और उन्हें गद्दी छोड़नी पड़ी। इसके बाद गठबन्धन की राजनीति का ज़माना आया फिर मा० मुलायम सिंह की बसपा के साथ मिलकर सरकार बनी जिसमें वे लगातार बसपा के नेताओं के दबाओं में रहे।

बाद में भाजपा की मदद से बहन मायावती की सरकार अमल में आयी लेकिन इस बार भाजपा नेताओं का दबाव बना रहा। इसके बाद बहन मायावती, मा० कल्याण सिंह, मा० राम प्रकाश गुप्त, मा० राजनाथ सिंह। बहन मायावती व मा० मुलायम सिंह यादव बारी बारी से मुख्यमंत्री बने लेकिन हर बार इन नेताओं को दूसरे दलों का सहयोग लेना पड़ता था जिसके चलते वे कोई भी फैसला अपने आप नहीं ले सकते थे।

इन सब पर सरकार को समर्थन देने वालों का दबाव झेलना पड़ता था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ बहन मायावती पूर्ण बहुमत में है और पार्टी सदर के साथ ही पार्टी हाईकमान भी। इनके फैसला करने में कोई दबाव नहीं है।

उ०प्र० में एक ज़माने तक कांग्रेसी हुकूमत रही। राष्ट्रीय पार्टी होने की वजह से मुख्यमंत्री का रिमोट कन्ट्रोल दिल्ली हाई कमान के पास रहता

बाकी पेज १० पर

एक परिचय

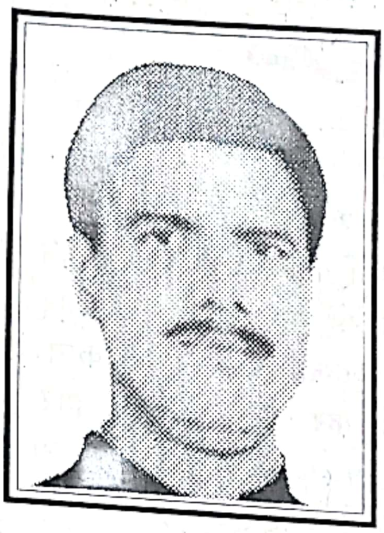

आली जनाब नकुल दुबे साहब

काबीना मंत्री

उ०प्र० सरकार, लखनऊ

नगर विकास जल सम्पूर्ति
पर्यावरण, संस्कृति, शहरी विकास
संस्थागत वित्त, निबन्धन एवं मनोरंजन कर।

- लखनऊ में स्थाई निवास 2/685, विकास नगर।
- लगभग 20 वर्षो से उच्चन्यायालय लखनऊ वैंच में अधिवक्ता हैं।
- बार काउंसिल ऑफ उ०प्र० के निर्वाचित सदस्य।
- पूर्व में आप अवध बार एसोसिएशन हाईकोर्ट लखनऊ के उपाध्यक्ष एवं संयुक्त सचिव की हैसियत से काम अंजाम दिया है।

आपका परिवार

चाचा-जनाब गोपाल कृष्ण अधिवक्ता
जनाब हरीकृष्ण दुबे न्यायाधीश
भाई- जनाब राहुल दुबे अधिवक्ता
जनाब मृदुल दुबे चार्टेट एकाउण्टेन्ट
जनाब अतुल दुबे इलैक्ट्रानिक इंजीनियर

विधान सभा ८४, महोना क्षेत्र लखनऊ से जीत कर आने के वाद अपने कष्टमयी जीवन बिता रही जनता को एक उम्मीद की किरन दी है। वहन कु० मायावती जी नें आपको कावीना मिनिस्टर बनाकर लखनऊ की जनता को यकीन दिलाया है कि अब गुण्डे, माफियाओं, अपराधियों, लुटेरो, भ्रष्टकर्मचारियों का अंत होगा।

मंसूरी समाज के कोऑर्डीनेटर जनाव अनीस मंसूरी साहव नें अपनी टीम के साथ मिलकर आपका प्रचार व प्रसार किया। साथ ही विधान सभा क्षेत्र में रह रहे मंसूरी समाज ने आपका पूरा सहयोग किया।

मुख्यमंत्री बहन कु० मायावती जी ने कार्यभार सम्भाला

- मुलायम सरकार के फरवरी के वाद के सारे फैसले रद्द
- मंत्री मण्डल में हर वर्ग को जगह
- रोजगार देने का वायदा
- यू०पी० विकास परिषद भंग

लखनऊ- मुख्यमंत्री बहन कु० मायावती ने २१ फरवरी को विधान सभा चुनाव घोषित होने के बाद मुलायम सरकार द्वारा घोषित किये गये सारे फैसले रद्द किये। पिछली सरकार में दिये गये सभी लाईसेंसों की जाँच की जायेगी। आपने अपनी प्राथमिकतायें गिनाते हुए कहा कि वह जो कहती हैं उसे करके दिखाती हैं इसलिए जनता की चाहत के लिए सरकार में कानून की हुकूमत होगी। सर्वसमाज के लोगों की जान व माल महफूज़ होगा। अब दंगे नहीं होंगे, अपराधियों को जेल भेजा जायेगा जहां उनकी जगह है। पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जायेगा। सर्व समाज के लिए काम होगा लेकिन दलित और पिछड़ों को प्राथमिकता से ध्यान में रखा जायेगा। मुलायम सरकार में अवाम के साथ जो जुल्म ज्यादतियां हुई हैं उनकी जांच करके दोषियों के खिलाफ कार्यवाही होगी।

आपका मंत्रीमण्डल

१६ कैबिनेट मंत्री- ३ दलित, १ मुस्लिम, १ ठाकुर, १ वैश्य, १ भूमिहार, १ गूजर व १ जाट समेत नौ पिछड़े और तीन ब्राहम्ण हैं।

स्वतंत्र प्रभार वाले २१ राज्यमंत्रियों में ७ दलित, २ मुस्लिम, २ ब्राहम्ण, ३ ठाकुर और १ गूजर समेत ७ पिछड़े शामिल हैं।

६ राज्य मंत्रियों में ३ ब्राहम्ण, २ मुस्लिम, १ ठाकुर, १ जाट समेत ३ पिछड़े शामिल हैं।

विभागों का बटवारा

मुख्यमंत्री बहन कु० मायावती जी के पास सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, गृह, सतर्कता, नियुक्ति, वित्त, नियोजन, राज्य सम्पत्ति, ओद्योगिक विकास, परिवार कल्याण सहित कुल ४३ विभाग।

काबीना मंत्री सतीश चन्द्र मिश्र को अपने साथ सम्बद्ध कर बहन कु० मायावती जी ने उन्हें अपने बाद सर्वाधिक महत्व दिया है।

नसीमुद्दीन सिद्दीकी- आबकारी, आवास, लोक निर्माण, सिंचाई, गन्नाविकास सहित अतिमहत्वपूर्ण ६ विभाग देकर उनका कद ऊँचा किया है।

रामवीर उपाध्याय- ऊर्जा, ग्रामीण समग्र विभाग

लालजी वर्मा - चिकित्सा, शिक्षा, संसदीय कार्य विभाग, विकलांग कल्याण विभाग

इन्द्रजीत सरोज- समाज कल्याण, वाल विकास एवं पुष्टाहार, महिला कल्याण, कृषि विपणन विभाग

ठाकुर जयवीर सिंह- माध्यमिक शिक्षा विभाग

Scanned with OKEN Scanner

जगदीश नारायण राय- स्टॉम्प तथा न्यायालय शुल्क पंजीयन विभाग

फागू चौहान- कारागार प्रशासन एवं सुधार

नकुल दुवे- नगर विकास, पर्यावरण, संस्थागत, वित्त सहित ७ विभाग सौंपे गये हैं।

दद्दू प्रसाद - ग्राम विकास विभाग

नारायण सिंह - उद्यान

सुधीर गोयल - सूचना मंत्री

राम प्रसाद चौधरी- खाद्य एवं रसद, नागरिक पूर्ति, किराया नियंत्रण

डा० धर्म सिंह सैनी- वेसिक शिक्षा

स्वामी प्रसाद मौर्य- राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास

वेदराम भाटी- श्रम, सेवा नियोजन

लक्ष्मी नरायन- कृषि (कृषि विदेश व्यापार, कृषि निर्यात तथा कृषि को छोड़ कर)

राकेश धर त्रिपाठी- उच्च शिक्षा

वावू सिंह कुशवाहा- भूतत्व खनिज एवं पंचायती राज्य

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार

राम अचल राजभर - परिवाहन

अनीस अहमद खां - अल्पसंख्यक कल्याण हज

अयोध्या प्रसाद पाल - खेल कूद, युवा कल्याण

जमुना निषाद - मत्सय, सैनिक कल्याण

श्रीमती ओम वती - प्राविधिक शिक्षा

बादशाह सिंह - लघु उद्योग

रंगनाथ मिश्र - ग्रामीण अभियंता सेवा

विनोद कुमार - पर्यटन

फतेह बहादुर - वन जन्तु उद्यान

लखी राम नागर - लघु सिंचाई

अवधेश कुमार वर्मा - पिछड़ा वर्ग कल्याण

रघुनाथ प्रसाद - भूमि विकास एवं जल संसाधन

रामहेत - निर्वाचन

रामपाल वर्मा - परती भूमि विकास

अनन्त कुमार मिश्र- सहकारिता, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा

अवधपाल सिंह यादव - पशुधन दुग्ध विकास

अकबर हुसैन - अतिरिक्त ऊर्जा श्रोत

सदल प्रताद-अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण

यशवन्त- नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम

रतनलाल अहिरवार- अम्वेडकर ग्राम विकास

राज्य मंत्री

संग्राम सिंह - खादी एवं ग्राम उद्योग

अव्दुल मन्नान- कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात

योग राज सिंह - कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान

श्रीमती विद्या चौधरी - वित्त

राकेश तिवारी - चिकित्सा शिक्षा तथा धर्मार्थकार्य

सहजिल इस्लाम अंसारी - मुस्लिम वक्फ

दद्दन मिश्र - आयुर्वेदिक चिकित्सा

हरिओम् - होमगार्ड एवं प्रान्तीय रक्षा

यशपाल सिंह - विज्ञान एवं प्रद्योगिकी

टेलरिंग की दुनिया का चमकता सितारा
Ph.: 0551-2345785
New Nice Tailors
स्पेस्लिस्ट : सूट-सफारीसूट-शेरवानी-पेन्ट-शर्ट
गीता प्रेस रोड, गोरखपुर
प्रो० मो० सुलेमान मंसूरी Mo.: 9936719533

मंसूरी फ्रूट कम्पनी

मो0 शाहिद, मो0 जावेद
प्रो0 मो0 शब्बीर
फल एवं सब्जी के कमीशन एजेन्ट
नई सब्जी मण्डी, ललितपुर (उ0) 284403
फोन - 05176-272858 (दु0) 77658 (म0)

बहन कु० मायावती

स्वर्ण मुकुट से सम्मानित

मंसूरी समाज व सिक्ख भाईयों के सहयोग से आली जनाब अंजुम अली मंसूरी एडवोकेट, सरदार उपकार सिंह जी बरेली के द्वारा बहन मायावती जी को स्वर्ण मुकुट पहना कर सम्मानित किया गया। प्रेरणाश्रोत बने आली जनाब वीरेन्द्र सिंह जी बसपा प्रत्याशी बरेली केन्ट।

बरेली- ११ अप्रैल ०७ नामानिगर से मिली जानकारी के तहत मंसूरी समाज और सरदार समाज की तरफ से बहन मायावती जो विधान सभा चुनाव प्रचार हेतु जनाब वीरेन्द्र सिंह प्रत्याशी बसपा को वोट और सपोर्ट के लिए बरेली आई थी। इसी मौके पर इन समाजों की तरफ से सोने का मुकुट भेंट कर बहन को सम्मानित किया गया। याद रहे कि बहन मायावती द्वारा मंसूरी समाज को पार्टी में सम्मान प्रदान करते हुए जनाब अनीस मंसूरी को उ०प्र० का काआर्डीनेटर बनाया गया। जनाब मंसूरी साहब की मेहनत से पूरे उ०प्र० के मंसूरी समाज में बसपा के लिए एक लहर चल पड़ी। इससे उत्साहित होकर तमाम मंसूरी समाज नें बहन मायावती को सम्मानित करने के लिए स्वर्ण मुकुट भेंट किया।

इससे पूर्व **A.I.J.M.** सोसाइटी ने बसपा प्रत्याशी जनाब वीरेन्द्र सिंह जी के पक्ष में २ अप्रैल ०७ को आकाशपुरम् में एक जल्सा मुनक्किद किया जिसमें उ०प्र० मंसूरी समाज के तमाम ओहदेदारान की तरफ से पूर्ण समर्थन का ऐलान किया गया।

A.I.J.M. सोसाइटी के सदर आली जनाब अब्दुल समद मंसूरी की सदारत में महामंत्री जनाब ज़ाहिद हुसैन मंसूरी नें समाज के लोगों को हाथ उठाकर वीरेन्द्र जी का समर्थन दिलाने का वायदा किया। सदर जनाब अनीस मंसूरी लखनऊ ने कहा कि मंसूरी समाज के लोगों ने यहाँ इकट्ठा होकर यह साबित कर दिया है कि मंसूरी समाज एक मज़बूत संगठन का मालिक है इसी दावे के साथ कहता हूँ कि वीरेन्द्र सिंह की जीत यकीनी है इसे कोई रोक नहीं सकता।

जनाब मो० हनीफ मंसूरी महामंत्री उ०प्र० कानपुर ने कहा कि बसपा प्रत्याशी की जीत मंसूरी समाज की जीत होगी। जनाब परवेज़ मंसूरी बरेली ने कहा कि तंजीम की ताकत से केण्ट में अब नई तवारीख लिखी जायेगी। यहाँ पर वीरेन्द्र जी को तंजीम का हिमायती प्रत्याशी का ऐलान किया गया। जनाब रईस अहमद मंसूरी, ताहिर मंसूरी, साबिर मंसूरी, जहीरूद्दीन मंसूरी, डा० फाजिल मंसूरी और उनकी पत्नी बेनजीर को सम्मानित किया गया।

प्रत्याशी जनाब वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि वे हमेशा मंसूरी समाज के कर्जदार रहेंगे। आपने यकीन दिलाया कि जीत के बाद मंसूरी समाज के हित में काम करेंगे। आपने आगे कहा कि उ०प्र० को बिहार बनने से सिर्फ बसपा ही रोक सकती है जो कानून व्यवस्था को लागू करना बेहतर जानती है और स्वच्छ प्रशासन दे सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता नें पूरे साढ़े तीन साल गुण्डागर्दी का राज झेला है। लूट, बलात्कार, गरीबों की ज़मीनों पर कब्जें कर लिए गये हैं। प्रशासन सत्ताधारियों के इशारे पर नाचता रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गुण्डा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए बसपा के पक्ष में वोट दें।

सम्मेलन में शरीफ मंसूरी, इकराम मंसूरी, इसहाक मंसूरी, जहूर मंसूरी, इसरार मंसूरी, रसूल मंसूरी, मेंहदी मंसूरी समेत तकरीबन पाँच हजार लोगों नें हिस्सा लेकर इसे कामयाब बनाया।

जनसम्पर्कः लखनऊ से तशरीफ लाये मंसूरी समाज के कॉर्डीनेटर जनाब अनीस मंसूरी की रहबरी में मंसूरी भाईचारा बनाओं समिति की तरफ से जनाब वीरेन्द्र सिंह जी का जन सम्पर्क अभियान मुस्लिम इलाकों में ज़ोरों पर चला जहां अनीस मंसूरी का इस्तकबाल गर्मजोशी से किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

उ०प्र० विधान सभा 07 के लिए चुने गये मुस्लिम विधायक

बहुजन समाज पार्टी

३ अफजलगढ़ -	जनाब मो० गाज़ी
६ बिजनौर -	जनाब शहनवाज़
७ चाँदपुर -	जनाब इकवाल
८ काँठ -	जनाब रिज़वान अहमद खाँ
१० हसनपुर -	जनाब फरहत हसन
१३ वहजोई -	जनाब अतीकुर्रहमान खाँ
१५ कुन्दरकी -	जनाब अकवर हुसैन
२६ उसेहत -	जनाब मुस्लिम खाँ
३८ भोजीपुर -	जनाब शहजिल इस्लाम खाँ
४३ वीसलपुर -	जनाब अनीस अहमद खाँ
४४ पूरनपुर -	जनाब अरशद खाँ
६८ सण्डीला -	जनाब अब्दुल मन्नान
७२ पिहानी -	जनाब दाऊद अहमद
७३ शहाबाद -	जनाब आशिफ
८६ सरोजनी नगर-	जनाब मो० इरशाद खाँ
१२६ मसौली -	जनाब फरीदमहफूज़ किदवई
१३० कैसरगंज -	जनाब गुलाम मोहम्मद खान
१३३ नानपारा -	जनाब वारिस अली मंसूरी
१३८ गैंसड़ी -	जनाब अलाउद्दीन
१४५ गोंडा -	जनाब मो० जलील खान
१५४ डुमरियागंज -	जनाब तौफीक अहमद
१५६ खेसराहा -	जनाब मो० ताविश खां
२५७ सोरावँ -	जनाब मो०मुजतवा सिद्दीकी
२६५ कमालगंज -	जनाब ताहिर हुसैन सिद्दीकी
३३१ कासगंज -	जनाब हसरतुल्ला
३३५ फिरोजाबाद -	जनाब नसीरूद्दीन सिद्दीकी
३४१ आगरा कैण्ट-	जनाब जुलफिकार अहमद भुट्टो
३६८ बुलन्द शहर-	जनाब मो० अलीम खाँ

नोट : जनाब अली अकबर मंसूरी
१३२ विधान सभा मेहसी
४४१ वोटों से नाकामयाब हुए।

नोट : चुने हुए विधायकों की सूची तैयार करने में पूरी सावधानी से काम लिया गया है, अगर कोई भूल हो तो मिलान कर ठीक कर लें।

समाजवादी पार्टी

५ वदायुँ -	जनाब मो० आजम खाँ
६ अमरोहा -	जनाब महवूब अली
१२ सम्भल -	जनाब इकवाल महमूद
१८ मुरादावाद दे०-	जनाब उसमानुल हक
२० खार टांडा -	जनाब नवाव काजिम अली
२१ रामपुर -	जनाब मो० आजम खां
३६ कावर -	जनाब सुल्तान वेग
४१ पीलीभीत -	जनाब रियाज़ अहमद
५५ श्रीनगर -	जनाब आर०ए०उसमानी मंसूरी
६२ लहरपुर -	जनाब मो० जसमीर अंसारी
१२२ रूदौली -	जनाब अव्वास अली जैदी
१३४ चर्दा -	जनाब शव्वीर अहमद
१३६ वहराईच -	जनाब डा० वकार अहमद
१४२ सादुल्लानगर-	जनाब आरिफ अनवर हाशमी
१६० मेहदावल -	जनाब अब्दुल कलाम
१८६ सलेमपुर -	जनाब चौधरी फसीहा वशीर
२१४ मोहम्मदावाद-	जनाब सिवगतुल्ला अंसारी
२१७ गाजीपुर -	जनाब सै० सादाव फातिमा
२२७ वाराणसी उत्तरी-	जनाब हाजी अब्दुल समद
२३८ जौनपुर -	जनाब जावेद अंसारी
२७१ आर्यनगर -	जनाब इरफान सोलंकी मंसूरी
३५७ अलीगढ -	जनाब जमीरूल्ला
३७७ किठौर -	जनाब शाहिद मंजूर

निर्दलीय

२०४ मऊ -	जनाब मुख्तार अंसारी
४०३ मुजफ्फरावाद-	जनाब इमरान मसूद

रालोदा

३८५ वागपत	जनाब कोकव हमीद
३६६ थानाभवन -	जनाब अब्दुल वारिस खां

यू०पी०यू०डी०एफ०

३८१ मेरठ	जनाब हाजी याकूव

कुँवर बादशाह सिंह
मंत्री

बड़ी तादाद में चलो नेकियों की तरफ

मंसूरी कांफ्रेंस और इज्तिमाई शादियाँ

10 जून 07, इतवार राठ चलो

ज़ेरे सरपरस्ती- A.I.J.M. सोसाइटी और मंसूरी भाईचारा बनाओ समिति बसपा

मेहमाने खुसूसी- जनाब कुँवर बादशाह सिंह
मंत्री लघु उद्योग स्वतंत्र प्रभार
उ०प्र० सरकार, लखनऊ

अनीस मंसूरी
प्रदेश प्रभारी/सदर

ज़ेरे सदारत- जनाब अनीस मंसूरी सदर A.I.J.M. सोसाइटी उ०प्र०

अतिथिगण : जनाब धूराम चौधरी एम०एल०ए० विधान सभा राठ,
जनाब राकेश गोस्वामी एम०एल०ए० विधान सभा महोबा,
जनाब अनिल कुमार एम०एल०ए० विधान सभा चरखारी

निगरा- जनाब अनवार हुसैन मंसूरी मण्डल सदर चित्रकूट Mo.: 9450011099, जनाब अनवार मंसूरी (दद्दा) Mo.: 9838469894, जनाब अजीज़ मंसूरी Mo.: 9919247905, जनाब डा० ताज मोहम्मद मंसूरी (लक्ष्मी) Mo.: 9415532424, जनाब हबीब मंसूरी Mo.: 9935958105, जनाब मुन्ने खां मंसूरी

हमीरपुर- राठ नामानिगार से मिली जानकारी के तहत मंसूरी समाज की इज्तिमाई शादियां एवं मंसूरी कांफ्रेंस १० जून ०७, दिन इतवार, बमुकाम फ़ैज़-ए-आम इण्टर कालेज, कस्बा राठ, जिला- हमीरपुर और जिला- महोबा के सहयोग से 11 जोड़ों का निकाह होना तय हुआ है। म०प्र० और राजस्थान मंसूरी समाज की इज्तिमाई शादियों की पहचान बन चुकी है और हजारों जोड़े अपनी कामयाब ज़िन्दगी गुजार रहे हैं। हमीरपुर और महोबा में यह पहला मौका है। इज्तिमाई शादियों का मकसद मंसूरी समाज में शादियों पर होने वाली फिजूलखर्ची और बेदीनी की रस्मोरिवाज का खात्मा करके तालीम याफ्ता और दीनदार कबीले को वजूद में लाना है।

आज के तरक्की याफ्ता ज़माने में फिज़ूलखर्ची बहुत आम होती जा रही है। गरीब मां-बाप लड़की की शादी के लिए जहेज़ इखट्टा करने और अच्छा रिश्ता ढूढ़ने में लगे रहते हैं, बच्चों की तालीम की तरफ उनका ध्यान ही नहीं जाता। मेरा मानना है कि रिश्तों को ढूढ़ने में जो खर्च और परेशानियां है वे निकाह के मुकाबले में बहुत ज्यादा हैं। देखा जाता है कि हर घर में जिस दिन लड़की पैदा होती है उसी दिन से घर के लोग उसे मुसीबत मान लेते हैं जबकि अल्लाह के रसूल सल्ल० ने लड़की की पैदाइश को दो नेकियां से ताबीर किया है। यह सारी परेशानियां दिखावे और बेदीनी की वजह से अमल में आती हैं।

मंसूरी समाज में शादी की रस्मो रिवाज से आर्थिक हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। तालीमी निज़ाम दरहम-बरहम हो गया है। कारोबार कमज़ोर हो रहे हैं। समाज का एक बड़ा तबका मज़दूरी के लिए दर-दर की ठोकरे खाता हुआ फिरता है। जहेज़ की लानत से बच्चियों के निकाह एक मुसीबत बनते जा रहे हैं, इस पर भी हम चेन नहीं लेते। गैर मज़हबी रस्मो-रिवाज़ हमारे कबीले में घर करते जा रहे

बाकी पेज १६ पर

A.I.J.M. सोसाइटी के ज़ेरे निगरानी 2007-8 मंसूरी समाज मर्दुम शुमारी के नाम-

कौमी खिदमात के मैदान में उतरी A.I.J.M. सोसाइटी जिसने सामाजिक बिखराव, तंजीमी खींचा-तानी से तंग आकर नौजवानों में कौमी इत्तिहाद, सियासी और सामाजिक गठजोड़ को मज़बूत बनाने के लिए ऐसा रास्ता चुना जो गाँव की पगडन्डी से होकर दिल्ली की कुर्सी तक जाता है, जिसमें तंजीम को नई रोशनी के साथ ही सामाजिक भलाई के लिए काम का मौका मिलेगा।

लखनऊ- आफिस नामानिगार आफताव आलम से मिली जानकारी के तहत तंजीम के सदर आली जनाव अनीस मंसूरी नें सवसे पहले समाज को मज़बूत करने के लिए कमेटियां बनाने और बिरादरी की मर्दुमशुमारी का काम शुरू किया। ये दोनो काम साथ-साथ अमल में आ रहे हैं। लेकिन ये दोनो काम बिना सियासी विसात विछाय कामयाव नहीं हो सकते थे इसलिए जनाव मंसूरी साहव नें सियासत में दखल देकर अपनी कौमी ताकत के वलवूते पर यह साबित कर दिया कि मंसूरी समाज जिसकी तादाद उ०प्र० में लगभग १ करोड़ साठ लाख है। मंसूरी समाज भाईचारा समिति के काऑर्डीनेटर बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर और अपने ऊपर उ०प्र० की सुरक्षित विधानसभाओं में प्रचार और प्रसार के ज़रिये मंसूरी समाज को वहुजन समाज पार्टी से जोड़ने की जिम्मेवारी पूरी तरह से निभाई और सुरक्षित विधानसभाओं की ६० सीटें जिताने में कामयाबी हासिल की।

वहन कु० मायावती जी की दो आज़माइश पहला व्राहम्ण वोट को अपनी तरफ आकर्षित कर सर्वसमाज की नेता वनने का सपना पूरा हुआ और मुस्लिम समाज में सवसे वड़ी विरादरी मंसूरी समाज का पार्टी में अलग से जनाव अनीस मंसूरी को काऑर्डीनेटर बनाकर जो रोल अदा किया है यह एक वड़ी कामयावी की दलील है।

सियासत में कामयावी के वाद अव हमें अपनी तंजीमी संगठन को और मज़बूत करनें की ज़रूरत है। साथ ही सैकड़ों गांव और कस्वों में सही-सही मर्दुमशुमारी के आंकड़े इकट्ठे करने के लिए जो मुहिम चलाई जा रही है वह काविले तारीफ है इसके पूरा होते ही मंसूरी समाज की मुस्लिम समाज में एक वड़ी ताकत वनकर उभरेगी और अपने इरादे के तहत मार्च २००८ तक उ०प्र० की पूरी मर्दुमशुमारी का काम खत्म करके, तंजीमें कायम करके A.I.J.M. सोसाइटी एक मज़वूत तंजीम वन सकेगी।

वाकी पेज ३ का

था। इस दौरान इमरजेन्सी लागू हो गई उसके वाद चुनाव में जनता पार्टी की सरकार वनी और मा० राम नरेश यादव मुख्यमंत्री वने। जनाव यादव का विरोध देख जनता पार्टी नें मा० वावू वनारसीदास को मुख्यमंत्री वनाया। उन्हें भी जनता पार्टी के नेताओं के इशारे पर हुकूमत चलानी पड़ी।

सन् १६८६ में जनता दल को पूर्ण वहुमत मिला और मुख्यमंत्री के लिए दो खेमे तैयार हो गये। एक मा० मुलायम सिंह का और दूसरा मा० अजित सिंह का। जनता दल विधायकों नें वोट देकर मुख्यमंत्री का चुनाव किया जिसमें मा० मुलायम सिंह मुख्यमंत्री वने। लेकिन १८ माह के कार्यकाल में उनके ऊपर मा० वी०पी०सिंह और मा० अजित सिंह तलवार की तरह झूलते रहे।

पहली वार मुख्यमंत्री वहन कु० मायावती के दोनों हाथ खुले हैं। सारे फैसले उन्हें खुद ही लेने है इस मायने में वे अव तक की सवसे ताकतवर मुख्यमंत्री की हैसियत से हुकूमत करेंगी।

इस दौरे इंतिशार क
हमारे अ
टीपू
शेर
गीदड़ की
पाँच वर्ष की उ
का सिलसिला शु
उस वक्त के व
जो उसे दूसरे इ
और फांसीसी ज
अंग्रेजी और फां
टीपू को ये ज़वा
और फांसीसीयों
एक ल
ये किस
मैसूर का है। रि
की एक अजीमु
खेल रहे थे। इ
और होशियार
वाजी मार ले
साल से ज्याद
और वकार टप
लड़के उससे
उसकी वात मा
उसी तरह क
सूरत में वही
उसके फैसले
लड़के
फकीर उसके
हुए देखकर
वचपन याद
के साथ इस
फकीर तो उ
उसकी नज़र
पेशानी और
कुछ देर लड

Scanned with OKEN Scanner

हमारे असलाफ

टीपू सुल्तान जिन्होंने कहा था कि

शेर की एक दिन की जिन्दगी, गीदड़ की सौ साल की जिन्दगी से बेहतर है।

पाँच वर्ष की उम्र में टीपू की तालीम व तरबियत का सिलसिला शुरू हुआ। टीपू को पढ़ाने के लिए उस वक्त के बहतरीन उस्ताद मुकर्रर किये गये, जो उसे दूसरे इल्म के अलावा अर्बी, फार्सी, अंग्रेजी और फांसीसी ज़बानें भी सिखाते थे। हैदरअली खुद अंग्रेजी और फ्रांसीसी से नावाकिफ था मगर उसने टीपू को ये ज़बाने इस लिए सिखाई कि वह अंग्रेजों और फांसीसीयों से गुफ्तगू कर सके।

एक लड़का और फकीर

ये किस्सा जुनूबी हिन्दुस्तान की एक रियासत मैसूर का है। रियासत के दारूल हुकूमत श्रीरंगापट्टम की एक अजीमुश्शान हवेली के करीब चन्द लड़के खेल रहे थे। इनमें एक लड़का सबसे ज्यादा तर्रार और होशियार है। हर खेल में वह दूसरे लड़कों पर बाजी मार ले जाता है। इस लड़के की उम्र ६-७ साल से ज्यादा नहीं थी। उसके चेहरे से ज़हानत और वकार टपक रहा था, यों लगता था जैसे सब लड़के उससे मरगूब हैं क्योंकि खेल के दौरान सब उसकी बात मानते थे और जिस तरह वह कहता था उसी तरह करते थे। खेल में झगड़ा हो जाने की सूरत में वही उनका फैसला करता था और वह सब उसके फैसले को चुपचाप मान लेते थे।

लड़के खेल में मसरूफ हैं कि इतने में एक फकीर उसके करीब से गुज़रता है और उन्हें खेलते हुए देखकर रूक जाता है। शायद उसे अपना बचपन याद आ गया हो। वह भी कभी अपने दोस्तों के साथ इसी तरह खेलता होगा। मगर नहीं? फकीर तो उस खूबसूरत लड़के को देख रहा था, उसकी नज़रें लड़के के बवकार चेहरे, कुशादा पेशानी और बड़ी-बड़ी आँखों पर जमी हुई थीं। वह कुछ देर लड़के को देखता रहा और फिर उसकी तरफ बढ़ता है। ज़रा बात तो सुनो बेटे फकीर उस लड़के से कहता है।

जी बाबा फरमाईये, वह आगे बढ़कर अदब से पूछता है।

दूसरे लड़के भी तमाशा देखने के लिए इनके करीब जमा हो जाते हैं।

बेटे मैं तुम्हें एक खुश खबरी देना चाहता हूं फकीर की बात याद रखना, तुम एक दिन इस रियासत के हुक्मरां बनोंगे।

फकीर की बात सुनकर लड़के हंसने लगे। एक लड़का बोला अरे बाबा मैसूर का हाकिम तो राजा है ये तो उसके सिपह सालार का बेटा है।

मैं मजाक नहीं कर रहा हूं बेटे, इस लड़के के माथे पर इसकी किस्मत लिखी हुई है। एक दिन ऐसा आयेगा कि जब ये मैसूर के तख्त पर बैठेगा। ये कहकर फकीर उससे बोला जब तुम तख्त पर बैठो तो इसी मैदान में जहां तुम खेल रहे हो, एक शानदार मस्जिद बनवाना। कहो बनवायेंगे न?

लड़के ने वायदा किया जब मैं बादशाह बनूंगा तो इस मैदान में एक शानदार मस्जिद बनवाऊँगा।

अच्छा अपना वायदा याद रखना, खुदा तुम्हारी हिफाज़त करे। खुदा हाफिज़ - फकीर यह कहकर चल दिया। आप जानते हैं कि ये लड़का कौन था जिसे फकीर नें मैसूर का हुकमरां बनने की खुश खबरी दी थी, ये था टीपू। रियासत मैसूर के सिपह सालार हैदरअली का हौनहार बेटा।

Scanned with OKEN Scanner

रियासत मैसूर

आज से २०० साल पहले का किस्सा है उस वक्त हिन्दुस्तान में मुगलों की हुकूमत आहिस्ता-आहिस्ता कमजोर हो रही थी। जब तक औरंगजेब, आलमगीर ज़िन्दा रहे उन्होंने मुल्क को मुत्तहिद रखा और बागियों के सर कुचलते रहे। मगर उनके बाद जो लोग देहली के तख्त पर बैठे उनकी नाअहली और कमजोरी से फायदा उठाकर बहुत से राजाओं, नवाबों और सूबेदारों ने अपने-अपने इलाकों में आजाद और खुद मुख्तार हुकूमतें बना लीं। अंग्रेज भी मुल्क में अपने पैर जमा चुके थे और राजाओं, नवाबों को आपस में लड़ाकर उनके इलाकों पर कब्जा कर रहे थे। मैसूर जुनूबी हिन्दुस्तान की एक रियासत थी। यहां का हुक्मरां एक राजा था और उसी राजा की फौज में टीपू का वालिद हैदर अली मुलाज़िम था। अंग्रेज इस रियासत को हड़प करना चाहते थे।

हैदर अली

हैदर अली के बुजुर्ग मक्के से हिन्दुस्तान आये थे, हैदर अली पांच साल का था कि उसके वालिद एक लड़ाई में मारे गये। हैदर अली पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। गरीबी और तंगदस्ती में बड़ी तकलीफें सहीं, मगर खुदा को कुछ और ही मंजूर था। हैदर अली का एक चचा ज़ाद भाई उसे मैसूर ले आया और यहां उसे सिपाही गीरी की तालीम दी और जब वह जवान हुआ तो उसे राजा की फौज में भर्ती करा दिया।

टीपू की पैदाइश

शादी के बाद हैदर अली के यहां कई साल तक कोई औलाद न हुई वह रात दिन फिक्र में रहता था। उन दिनों दक्खिन में एक बुजुर्ग टीपू मस्तान का बड़ा शोहरा था। दूर-दूर से लोग उनकी खिदमत में हाज़िर होते और अपने लिए दुआ कराते थे। हैदर अली भी एक रोज़ टीपू मस्तान की खिदमत में पहुँचा और उनसे औलाद के लिए दुआ की दरख्वास्त की। उन्होंने खुश खबरी दी कि अल्लाह तआला तुम्हें ऐसा बेटा अता करेगा जिसका नाम रहती दुनिया तक जिन्दा रहेगा।

टीपू मस्तान की दुआ कुबूल हुई और कुछ दिन बाद १७४६ में हैदर अली के यहाँ एक खूबसूरत लड़का पैदा हुआ। हैदर अली नें खुदा का हजारहा शुक्र अदा किया और खजानों के मुँह खोल दिये। खैरात की, सदके दिये और ४०दिन तक खूब जश्न मनाया। चुंकि हैदर अली को टीपू मस्तान वली की दुआ से बेटा मिला था इस लिए उसने बेटे का नाम फतेह अली टीपू रखा।

टीपू की पैदाइश हैदर अली के लिए बड़ी मुबारक साबित हुई। ज्यों-ज्यों टीपू बड़ा होता गया हैदर अली को तरक्की मिलती गई और जब टीपू पांच साल का हो गया तो हैदर अली को फौज का सिपह सालार बना दिया गया।

पांच वर्ष की उम्र में टीपू की तालीम व तरबियत का सिलसिला शुरू हुआ। टीपू को पढ़ाने के लिए उस वक्त के बहतरीन उस्ताद मुकर्रर किये गये, जो उसे दूसरे इल्मों के अलावा अर्बी, फारसी, अंग्रेजी और फांसीसी ज़बानें भी सिखाते थे। हैदरअली खुद अंग्रेजी और फांसीसी से नावाकिफ था मगर उसने टीपू को ये ज़बाने इस लिए सिखाई कि वह अंग्रेजों और फांसीसीयों से गुफ्तगू कर सके।

टीपू एक सिपह सालार का बेटा था ये कैसे हो सकता था कि उसे लड़ाई का फन न सिखाया जाता। पढ़ाई के साथ-साथ उसे घुड़ सवारी, तलवार बाज़ी, नेज़ा बाजी और लड़ाई के गुर भी सिखाये गये। १५ साल की उम्र में वह सिपाह गीरी के फन में भी माहिर हो गया उसके बाद उसने सारी ज़िन्दगी मैदान-ए-जंग में गुज़ारी।

गौरी अब्दुल सलाम मंसूरी
मकराना, जिला- नागौर (राज०)

कोट और सफारी सूट के स्पेशलिस्ट
फैन्सी टेलर
कस्बा- पी०पी०गंज, जिला- गोरखपुर
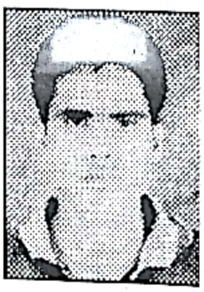
प्रो० शकील अहमद मंसूरी
Mo.: 9935273291

प्रतिनिधि मण्डल "मंसूरी समाज भाईचारा समिति" के दौरे

बसपा और मंसूरी समाज के बीच रिश्तों को मज़बूत करने के लिए बनी भाईचारा कमेटी के कोआर्डीनेटर अनीस मंसूरी के ज़ेरे निगरानी अपने प्रतिनिधियों के साथ उ०प्र० के अधिकांस रिजर्व विधानसभा क्षेत्रों का सघन दौरा किया और क्षेत्र में रहने वाले मंसूरी समाज के साथ बैठक करके बसपा के लिए वोट की अपील की।

मंसूरी समाज, जिसकी अनुमानित आबादी उ०प्र० में लगभग १.६० लाख और पूरे मुल्क में ७ करोड़ है लेकिन असंगठित और नेताविहीन होने की वजह से इसे कभी राजनीतिक पहचान नहीं मिल सकी। सभी राजनैतिक पार्टियों ने वोट के लिए फुटबाल की तरह मंसूरी समाज को अपने पाले में ले जाने में सफलता हासिल की लेकिन इसके बदले समाज के लोगों की तरक्की और रोजगार के लिए कभी सोचा ही नहीं। जिससे समाज के हालात दिन ब दिन खराब होते चले गये, उसी की वजह से हम आज पसमांदगी के साथ अशिक्षित और बेरोजगार हो गये। मुरादाबाद मंसूरी कांफ्रेंस में अनीस मंसूरी को उ०प्र० का सदर चुने जाने के बाद समाज को एक नई दिशा मिली जिसने समाज की तरक्की के लिए सियासी पहल की।

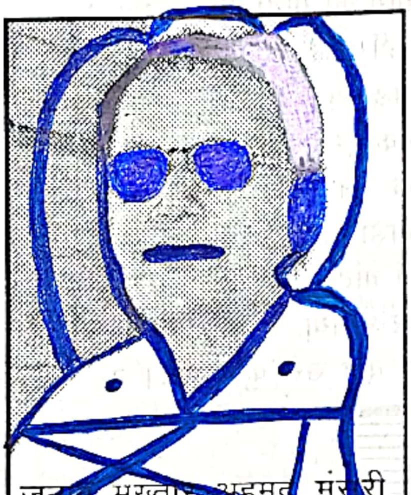

जनाब मुख्तार अहमद मंसूरी

जनाब मंसूरी साहब नें बड़ी हिम्मत और सूझ-बूझ से काम लेकर बसपा की सुप्रीमो बहन कु० मायावती जी के सामने अपना पक्ष रखा और अपनी बात समझाने में कामयाब रहे जिस पर बहन कु० मायावती जी ने जनाब अनीस मंसूरी को उ०प्र० का मंसूरी समाज भाईचारा बनाओं समिति (बसपा) का कोआर्डीनेटर बना कर समाज में काम करने के लिए प्रेरित किया और पहली जिम्मेदारी के तहत उ०प्र० की सभी रिजर्व विधान सभा क्षेत्रों में मंसूरी समाज को प्रचार और प्रसार के लिए लगा दिया। समाज ने मंसूरी साहब का भरपूर साथ दिया और पूरे तन-मन-धन से लग कर ज्यादा से ज्यादा रिजर्व सीटों को कामयाब बनाने में सफल रहे।

जनाब मंसूरी साहब ने अपने प्रतिनिधियों के साथ गोरखपुर-पड़रौना से लेकर चित्रकूट, मऊ, बांदा तक और इलाहाबाद-कोशाम्बी से लेकर बरेली-मुरादाबाद आदि जिलों के सभी सुरक्षित सीटों का दौरा किया। इन दौरों में जो खास बात सामने आयी वो ये थी कि आपने गांव की पगडन्डी का रास्ता पकड़ कर कौम को जोड़ने का काम किया। लगभग १२५ गांव और ४० कस्बों को जोड़ा, वहां समाज की तंजीमें कायम की और मंसूरी समाज भाईचारा बनाओ समितियां भी बनाई और समाज के लोगों को बसपा के पक्ष में वोट और सपोर्ट मांगा।

पिछली तंजीमों ने अपना एरिया सिर्फ बड़े शहरों को ही चुना था। इस वजह से वे कामयाबी की मंज़िलों से कोसों दूर रहे। लेकिन A.I.J.M. सोसाइटी की टीम जिस गांव में पहुंचती थी वहां के लोगों में खुशी का कोई ठिकाना नहीं होता था और कहते थे कि अल्लाह ने इंसानों की शक्ल में फरिश्ते हमारे बीच भेज दिये हैं। आज तक कोई भी ये बताने गांव नहीं आया कि हमारी भी कोई तंज़ीम है और हम इतनी बड़ी मर्दुमशुमारी के मालिक हैं। रात हो या दिन, सुबह हो या शाम गांव में एक आवाज पर सैकड़ों की तादाद में मर्द और औरतें, बूढ़े और बच्चे सभी दौड़ पड़ते थे कि आज हमारा कोई रहनुमा हमारे पास आया है। उन्हें इस बात की फिक्र नहीं होती थी कि वक्त हमारे आराम या काम का है। वे हमारी बात

बाकी पेज १६ पर

Scanned with OKEN Scanner

धुनकर आयोग कब बनेगा

देशभक्ति से लबरेज़ मंसूरी समाज के अंगूठे काटे गये, रोजगारछीना गया और १९५० के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त कर दिया गया।

मंसूरी समाज (धुनकर समाज) जिसे बहना, धुनिया, नद्दाफ, पिंजारी, कढ़ेरे आदि नामों से जाना जाता है जो कपड़ा उद्योग का प्रथम मजदूर है जो रूई की धुनाई और सफाई कर पोनी बनाने और पोनी से धागा बनाने का काम करता है।

दूसरा मज़दूर बुनकर जो कोरी, जुलाहा के नाम से पुकारा जाता है जो तैयार धागे से कपड़ा बनाने का काम करता है। ये दौनो कपड़ा उद्योग की गाड़ी के पहिए हैं एक पहिए पर कभी गाड़ी नहीं चल सकती परन्तु बड़े दुःख के साथ लिखना पड़ रहा है कि राजनैतिक दबाव के कारण हमेशा बुनकर मज़दूर की तरफ सरकार की नज़र गयी उसके लिए बुनकर आयोग बनाया गया और जब भी कपड़ा उद्योग की मर्दद मज़दूरों को मिली वह बुनकरों में बांट दी गयी। बेचारा गरीब, दलित, अशिक्षित, मज़दूर धुनिया, बेहना आस लगाये बैठा ही रहा। आजादी के बाद उसे कुछ नहीं मिला।

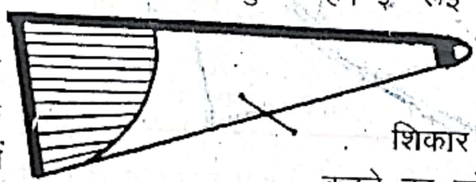

अब तो धुनकर का काम मशीनों ने ले लिया है जिनके पास मज़दूरी की तलाश में भटकने के अलावा कुछ नहीं है। जाड़े के दिनों में तीन माह रूई की धुनाई का काम मिल जाता है जिससे पेट की आग थोड़े दिन के लिए बुझ जाती है। इनके साथ इनके मासूम बच्चे और औरतें भी काम में मदद करती हैं। इस कारोबार का कोई निश्चित्त स्थान नहीं है। सड़क के किनारे जाड़ों में रूई धुनते और रजाई-गद्दे भरते हुए गांव व शहरों में सभी जगह देखे जा सकते हैं। १९५० तक बेहना नाम से मंसूरी समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त था। मंसूरी समाज के इन वोटरों पर हुकूमत करने वाले सियासी लीडरों ने आज तक इनके दर्द को नहीं समझा क्योंकि इनके पास कोई सर्वमान्य लीडर नहीं था। अंग्रेजों ने कपड़ा उद्योग उजाड़ने के लिए महीन धागा बनाने वाले देशभक्त मंसूरियों को अपने जुल्म से तबाह कर दिया। आजादी के बाद देशभक्त की सजा भुगत रहे मंसूरी समाज दाने-दाने को मोहताज है।

बहन कु० मायावती जी ने मंसूरी समाज को सियासत की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए बहुजन समाज पार्टी में एक विंग मंसूरी समाज भाईचारा बनाओ समिति बसपा का कोआर्डीनेटर जनाब अनीस मंसूरी को बनाकर समाज में एक नई चेतना पैदा कर दी।

आलमी समाज को हमने दी :

१- उद्योग धन्धों की तकनीक।

२- दुनिया की पहली मशीन 'पींजन' (रूई धुनाई के लिए)

३- कम्पन्न का सिद्धान्त (दुनिया की सारी मशीनों का आधार)

समस्याऐं :

१- इनके पास कोई स्थाई रोजगार नहीं है। २- रूई धुनाई का काम सिर्फ तीन माह जाड़े में चलता है बाकी समय मज़दूरी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। ३- रूई से निकलने वाले महीन रेशे सांस के साथ फेफड़ों में जमा हो जाते हैं जिससे दमा, टी०बी० और अकाल मृत्यु का शिकार यह समाज होता है। ४- रूई के कारोबार करने का कोई स्थान नहीं है, सड़क के किनारे, गांव की गलियों में रूई धुनते मिलेंगे। ५- सन् १९५० के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त होने से दलितों से बदतर हालत।

समाधान :

१- धुनकर (मंसूरी समाज) को उद्योग स्थापित करने के लिए सस्ते दरों पर लोन दिलाये जायें। २- जिला स्तर पर रूई के कोटे दिलाये जायें। ३- सरकारी और प्राईवेट नौकरियों में स्थान सुरक्षित कराये जायें। ४- बच्चों को मुफ्त शिक्षा और वजीफे दिलाये जायें। ५- सरकारी समितियों में आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व दिया जाये।

कप्पागल रसूल मंसूरी
स्टेट प्रेसिडेन्ट टीपू सुल्तान फेडरेशन
बल्लारी (कर्नाटक)

Scanned with OKEN Scanner

40 सालों में मंसूरी समाज को फर्श से अर्श तक ले जाने वाला मंसूरी पैग़ाम लखनऊ

दुनिया में मोगली लैण्ड के नाम से जाना जाने वाला जिला- सिवनी म०प्र० मुस्लिम आबादी का 80% मंसूरी समाज।

इज्तिमाईयत के इज़हार के लिए एक पर्चम तले और एक ही नाम A.I.J.M. सोसाइटी से जुड़ें।

साहित्य समाज का आईना होता है जो समाज की माज़ी, मुस्तकबिल और हालते हाज़रा की तसवीर पेश कर उस कौम की खुशहाली तरक्की का वाइस बनकर समाज की आवाज़ को अलग पहचान देता है। १६६८ से मंसूरी बिरादरी की तरक्की और वकार का दाई मंसूरी पैग़ाम असल में मंसूरी समाज के साहित्य के तौर पर अनमोल नगीना है। हकीकत में मंसूरी पैग़ाम राष्ट्रीय स्तर पर मंसूरियों की आवाज़ है और A.I.J.M. सोसाइटी का सामाजिक मंच है।

नागपुर मंसूरी नेशनल कांफ्रेंस में सिवनी से शिर्कत करने गये अहले मंसूर हज़रात नें मंसूरी पैग़ाम के प्रवन्ध सम्पादक हाजी नवी वख्श मंसूरी साहव की मेहन और मशक्कत व शेरे महाराष्ट्र आली जनाव मंसूरी अजीजी साहव की तकरीर ने सामाजिक एकता और संगठित होकर एक साथ मिलकर काम करने का हौसला अता किया।

म०प्र० का सिवनी जिला जवलपुर से १५४ कि०मी० और नागपुर से १२० कि०मी० दूर नेशनल हाईवे नं० ७ में दोनों महानगरों के बीच में है। यह जिला दुनिया में मोगली लैण्ड के नाम से जाना जाता है। जिले की कुल मुस्लिम आवादी का ८० प्रतिशत मंसूरी समाज है। इस इलाके में मंसूरियों को पिंजारा और वहना के नाम से जाना जाता है। तेजी से इलाके में मंसूरियों को मुत्तहद, मुनज्जम करने का काम जोशो-खरोश से A.I.J.M. सोसाइटी जिला सिवनी के वैनर तले चल रहा है। संगठन की कोशिश से कामयावी अनकरीव नज़र आ रही है और मंसूरी पैग़ाम पत्रिका को घर-घर की ज़ीनत वनाने की तैयारी चल रही है।

समाज की फलाह वेहवूद के लिए वार्ड, तहसील, गाँव, शहर और जिला स्तर पर संगठन का काम चल रहा है लिहाजा राष्ट्रीय स्तर पर जमात के काम की एक शक्ल सामने आये इसके लिए मंसूरी पैग़ाम में एक कालम ज़रूर रखे जिसमें जमाअत के काम गाँव से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर एक समान हों और आली जनाब मुनीर वख्श मंसूरी जालौनवी वानिएतंजीम मंसूरी पैग़ाम, जनाव आविद अमरोही दिल्ली, जनाब कलीमुद्दीश शम्श कलकत्ता, जनाव मंसूरी अजीजी बम्बई, जनाब एच० इब्राहीम कर्नाटक, जनाव अनीस मंसूरी सदर लखनऊ, जनाव हनीफ मंसूरी कानपुर और जनावअब्दुल हसन मंसूरी कानपुर, जनाव हाजी नवी बख्श मंसूरी सम्पादक के सपनों को पूरा किया जा सके।

पिछले २-३ अंकों में सूबा उ०प्र० में मंसूरी समाज के सियासी सऊर की खबरे छपीं। सियासी गठजोड़ और उसका मंज़र जो सामने आया उससे समाज में तरक्की की बड़ी उम्मीदें हैं। सदर अनीस मंसूरी साहव नें वी०एस०पी० के साथ मिलकर चलने में जो हौसला दिखाया है वह काविले तारीफ है।

हमारी गुज़ारिश है कि बिरादरी के मंच से सियासत होनी चाहिए कहीं ऐसा न हो कि लोग बिरादरी के साथ सियासत करने लगें। हमारी दुआ है कि मंसूरी समाज कामयाबी की मंज़िलों तक पहुँचे और उसका सेहरा हमारे तंज़ीमी ओहदेदारान को मिले।

मोहनिस मंसूरी, इकबाल मंसूरी

A.I.J.M. सोसाइटी.

जिला- सिवनी म०प्र०

Scanned with OKEN Scanner

बाकी पेज ६ का

हैं। खड़े होकर खाना हो या जन्म-दिन मनाने का रिवाज़। ये सब दुनिया के डर की वजह से है अल्लाह और उसके नबी का डर दिलों से निकलता जा रहा है। अल्लाह ने फरमाया कि जो कौमें दूसरों की नकल करेंगी, उनका हस्र भी उन्हीं के साथ होगा।

जिन्दा कौमों के सामने मसाइल तो आते ही रहते हैं और ये उनके ज़िन्दा रहने की दलील है लेकिन काबिले कद्र वही कौमें होती है जो वक्त के बदलाव के साथ ज़माने की आँखों में आँखे डाल कर बात करें। आज जो सबसे बड़ी सच्चाई है कि मुस्लिम समाज में सबसे बड़ी तादाद मंसूरी समाज की होते हुए भी हमारी कयादत दूसरों के हाथ में है।

अल्लाह का लाख-लाख शुक्र है कि उसने मंसूरी समाज को अनीस मंसूरी जैसा रहनुमा दिया जिसने २७ अगस्त ०६ को मुरादाबाद में ओहदा सम्भालने के बाद से न खुद चैन से बैठा और न अपने साथियों को आराम करने दिया। आज तक शहरों, कस्बों और गाँवों में बेशुमार तंजीमे कायम की जा चुकी है जहां घर शुमारी और मर्दुमशुमारी का काम तेजी से चल रहा है। साथ ही सियासत में कदम रखकर मंसूरी समाज की एक सियासी पहचान बना ली है।

इज्तिमाई शादियां समाज की बेदारी का सबूत हैं अगर समाज ने साथ दिया तो हम फिजूल खर्ची की इन बुराईयों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। ये अकेले की बात नहीं है हम भी इसी बिगड़े हुए समाज के एक फर्द हैं, अपनों से ही समाज को सबसे बड़ा नुकसान होता है। जहेज़ की नुमाइश, गाजे-बाजे, आतिशबाज़ी और नाचरंग पर सख्ती से रोक की ज़रूरत है।

बेहतर निकाह वह है जिसमें कम खर्च और कम परेशानी हो, आप गौर करें कि शादी की फिजूल खर्ची से बचे हुए पैसे और वक्त को तालीम पर खर्च किया जाये तो समाज की तरक्की के तमाम रास्ते खुलेंगे और जहेज़ जैसी रस्मोरिवाज पर पाबंदी लगाई जा सकती है।

नोट : इज्तिमाह गाह में बैण्ड-बाजे, घुड़चढ़ी, आतिशबाज़ी की सख्त मुमानियत है।

बाकी पेज़ १३ का

सुनने के लिए उतावले हो जाते थे। गांव के तमाम लोग अपनी समस्याओं को मीटिंग में रखते। अनीस साहब के अपने अधिकार क्षेत्र का काम होता तो फौरन ही वहीं से तंजीमी राबता बना कर काम कराने की कोशिश की जाती थी। ऐसा ही एक मसला गोरखपुर जाते समय रास्ते में आ गया।

जनाब परवेज मंसूरी साहब नें बरेली से फोन किया कि बिरादरी के सात लोगों को जो गोण्डा में सूखा मेवा साईकिलों से बेचा करते थे। वे घर वापसी के लिए ट्रक पर सवार होकर अपनी साईकिलों और सामान के साथ बरेली वापस आ रहे थे। रास्ते में पुलिस ने ट्रक रोककर उनकी खाना तलाशी ली, बिके हुए माल का पैसा लगभग डेढ़ लाख रूपये उनके पास था छीन लिया और इल्ज़ाम लगाया कि तुम सब बैंक डकैती डाल कर भाग रहे हो? पकड़ कर नवाब गंज थाने में बंद कर दिया। बरेली खबर पहुँचते ही वहां से कुछ लोग उनकी मदद के लिए थाने पर पहुँचे तो पुलिस नें उन्हें भी रोक लिया और कहा कि तुम सब गिरोह के लोग हो। ऐसी हालत में मंसूरी अनीस साहब नें अपने लोगों का सहारा लिया और गोण्डा के जनाब मेंहदी हसन मंसूरी नेताजी से राबता बनाया और उनसे उन लोगों की मदद के लिए कहा। जनाब मेंहदी हसन साहब नें पुलिस को लाख समझाने की कोशिश की मगर पुलिस ने एक न मानी और पहले पकड़े गये सभी लोगों का चालान कर दिया। बिरादरी के लोग सामने खड़े बेगुनाह मज़लूमों को जेल जाते देखते रहे। अगर आज हमारी तंजीम को सियासी सरपरस्ती हासिल होती तो मजाल क्या कि एक भी बेगुनाह जेल चला जाता। ऐसे तमाम बेगुनाह हमारी गैरजिम्मेदारियों की वजह से जेल जाते रहे हैं। अगर अब भी हम न संभले तो अल्लाह ही मालिक है।

जनाब अनीस मंसूरी की रहबरी में प्रतिनिधि मण्डल के साथ जाने वाले हज़रात में मुख्तार अहमद मंसूरी, जनाब हाजी हनीफ मंसूरी, हाजी साबिर अली मंसूरी, इकराम मंसूरी, चाँद मोहम्मद मंसूरी, शब्बीर मंसूरी, यज़दानी मंसूरी, मो० शरीफ मंसूरी, मौलाना इलियास मंसूरी, राजू मंसूरी, कादिर भाई, हनीफ भाई, अहमद रसूल, इसरार मंसूरी, दिलशाद मंसूरी, समीउल्ला मंसूरी और हाजी नबी बख्श मंसूरी साथ रहे।

All India

Muslim Marriage Bureau

UNDER MANAGEMENT : MANSOORI PAIGHAM, LUCKNOW-21

रिश्तों की जानकारी कैसे करें

सबसे पहले आप अपने रिश्ते का बायोडाटा और एक फोटो ऑल इण्डिया मुस्लिम मैरिज ब्योरो, S.S.E./47, सेक्टर-C, सीतापुर रोड योजना, रावौली, कुर्सी रोड, लखनऊ'' को भेजें।

V.I.P., V.V.I.P., सभी तरह के रिश्तों की रजिस्ट्रेशन फीस 200 रूपये + 100 रू० फोन, डाक खर्च, विज्ञापन। इसके अलावा आने-जाने का खर्च व किराया अलग से देना होगा। रिश्ता तय हो जाने के बाद कम से कम 2100 रूपये से मैरिज ब्यूरो की मदद करनी होगी।

प्रबन्धक

सभी मुस्लिम बिरादरियों के लिए शादी लायक लड़के और लड़कियां

१- M 2337 मंसूरी जिला- इलाहाबाद
कद 5.8" उम्र- 28, डा० बी०यू०एम०एस०

२- M 345 कुरेशी जिला- लखनऊ दूसरी शादी
कद 6.0" उम्र- 38, मेडिकल तिजारत

३- F 340 अंसारी जिला-लखनऊ
कद 5.3" उम्र- 27, डा० एम०बी०बी०एस०

४- F 230 सिद्दीकी जिला-मुरादाबाद
कद 5.4" उम्र- 24, एम०बी०ए०, पी०जी०

५- M 352 शेख जिला-लखनऊ M.C.S.E., C.C.N.A. कद 6.1" उम्र-28, बी.टेक,

६- M 2280 मंसूरी जिला- हमीरपुर
कद 5.5" उम्र- 23, एम०बी०बी०एस०

७- M 2112 मंसूरी जिला लखनऊ
कद 5.5" उम्र-24, बी.एस.सी., एम.बी.ए.

८- F 1536 मंसूरी दिल्ली
कद 5.3" उम्र- 23, एम०ए०, बी०एड०

९- F 124 पठान जिला-लखनऊ
कद 5.2" उम्र- 24, बी.ए. कम्प्यूटर, टीचर

१०- F 332 शेख जिला-लखनऊ
कद 5.3" उम्र- 23, एम.ए. इंगलिश

११- F 1850 मंसूरी कलकत्ता
कद 5.5" उम्र-23, एम०बी०बी०एस०

१२- F 1917 मंसूरी जिला- झांसी
कद 5.3" उम्र-30, ग्रेजुएट प्रा० सर्विस

१३- F 1915 मंसूरी जिला-जालौन
कद 5.1" उम्र-21, बी०ए०

१४- F 1913 मंसूरी जिला-लखनऊ
कद 5.00" उम्र- 25, प्रा० टीचर

१५- F 1910 मंसूरी जिला-इटावा
कद 5.4" उम्र-24, एम.एस.सी. (ज्योलॉजी)

१६- M 338 पठान जिला- लखनऊ
कद 5.6" उम्र-28, इण्टर (सऊदिया में)

१७- F 351 सिद्दीकी जिला-लखनऊ
कद 5.3" उम्र-27, एम.ए., पी.जी. डी.सी.ए

१८- M 245 अंसारी जिला- मिर्जापुर
कद 5.10" उम्र-26, बी.ई. कम्प्यूटर

१९- M 115 अंसारी जिला- अलीगढ़
कद 5.5" उम्र-30, एम.टेक (सर्विस कुवैत)

२०- M 198 अंसारी जिला- मिर्जापुर
कद 5.10" उम्र-27, एम.बी.ए.

२१- M 2330 मंसूरी बम्बई
कद 5.7" उम्र-30, बी.एस.सी. एफ फार्मा

२२- M 2260 मंसूरी जयपुर
कद 5.10" उम्र-25, एम.सी.ए.

२३- M 2258 मंसूरी कलकत्ता
कद 5.11" उम्र-28, सी.ए.

२४- F 1790 मंसूरी बेंगलूर
कद 5.3" उम्र- 23, कम्प्यूटर इंजीनियर

२५- M 2317 मंसूरी जिला- अलीगढ़
कद 5.5" उम्र- 24, बी० फार्मा

२६- M 373 अंसारी जिला- बनारस
कद 5.4" उम्र- 28, ग्रेजुएट

Scanned with OKEN Scanner

२७- F 370 अंसारी जिला- लखनऊ
कद 5.5" उम्र- 28, ग्रेजुएट
२८- F 368 पठान जिला- लखनऊ
कद 5.4" उम्र- 21, ग्रेजुएट
२६- F 371 अंसारी जिला- लखनऊ
कद 5.6" उम्र- 28, डा० सरकारी मुलाजिम
३०- M 366 अंसारी जिला- लखनऊ
कद 5.6" उम्र- 26, M.A., I.T.I. मेकेनिक
३१- M 365 अंसारी जिला- लखनऊ
कद 5.8" उम्र- 25, M.A., I.T.I.
३२- M 356 अंसारी रीवा म०प्र०
कद 5.3" उम्र- 26, B.Sc.
३३- F 355 अंसारी जिला- लखनऊ
कद 5.3" उम्र- 24, ग्रेजुएट
३४- M 2399 मंसूरी इलाहावाद
कद 5.5" उम्र- 26, M.B.A., B. Tech
३५- M 2398 मंसूरी डाक्टर म०प्र०
कद 5.5" उम्र- 28, B.Sc., B.H.M.S.
३६- M 2396 मंसूरी डाक्टर
कद 5.7" उम्र- 23, C.B.S.C., M.B.B.S.
३७- M2395 मंसूरी, अलीगढ़ कद5.6"उम्र- 25,
M.B.B.S., P.G.D.C., H.M.D. मेडिसन
३८- M 2392 मंसूरी इंजीनियर
कद 5.6" उम्र- 25, B.E., R.C. वम्वई
३६- M 2390 मंसूरी लखनऊ
कद 5.11" उम्र- 24, B.A. सर्विस
४०- M 2387 मंसूरी हरदोई
कद 5.5" उम्र- 28, B.A., Bed.
४१- M 2385 मंसूरी सर्विस सीतापुर
कद 5.6" उम्र- 26, एक्सरा टेक्नीसियन
४२- M 2381 मंसूरी डाक्टर लखनऊ
कद 5.5" उम्र- 24, B.D.S.
४३- M 2380 मंसूरी कम्प्यूटर तिजारत
कद 5.4" उम्र- 25, ग्रेजुएट दिल्ली
४४- M 2379 मंसूरी अलीगढ़
कद 5.5" उम्र- 28, M.B.A. प्रा० जांब
४५- M 2410 मंसूरी जिला-बुलन्द शहर
कद 5.6" उम्र- 27, B.U.M.S., M.D.
४६- M 2360 मंसूरी डाक्टर
कद 5.4" उम्र- 30, B.U.M.S. लखनऊ
४७- M 2358 मंसूरी तिजारत
कद 5.6" उम्र- 28, M.B.A. वस्ती
४८- F 1903 मंसूरी आलिम
कद 5.4" उम्र- H.S. कानपुर
४६- F 1900 मंसूरी अलीगढ़
कद 5.6" उम्र- 22, Bed. B.U.M.S.
५०- F 1897 मंसूरी गोरखपुर
कद 5.4" उम्र-22, B.A.
५१- F 1893 मंसूरी वम्वई
कद 5.1" उम्र- 22, B.Sc. P.G., D.M.L.T.
५२- F 1890 मंसूरी बहराईच, घरेलू
कद 5.4" उम्र-22, B.Sc.
५३- F 1889 मंसूरी बहराईच, घरेलू
क़द 5.3" उम्र-24, M.A. Urdu
५४- F 1880 मंसूरी सर्विस
कद 4.9" उम्र-29, ग्रेजुएट कानपुर
५५- F 1877 मंसूरी सहारा सर्विस
कद 5.4" उम्र-20, B.Sc. लखनऊ
५६- M 2406 मंसूरी सरकारी मुलाजिम
कद 5.4" उम्र- 30, स्टेनो जिलाधिकारी
५७- M 2405 मंसूरी सरकारी मुलाजिम
कद 5,11" उम्र- 27, कृषि विभाग उत्तरांचल
५८- M 2402 मंसूरी सरकारी मुलाजिम
कद 5.7" उम्र- 27, स्टेनो डी०एम० उत्त०
५६- M 2345 मंसूरी जज
कद 6.0" उम्र- 34, इलाहावाद
६०- M 2327 मंसूरी भोपाल
कद 5.11" उम्र- 22, वी० फार्मा
६१- M 2420 मंसूरी जिला-झांसी
कद 5.7" उम्र- 26, M.B.A. सर्विस दिल्ली
६२- M 2416 मंसूरी जिला-शाहजहांपुर
कद 5.5" उम्र- 29, हाईस्कूल तिजारत
नोट : लड़की ग्रेजुएट चाहिए
६३- M 2415 मंसूरी जिला-बुलन्दशहर
कद 5.8" उम्र- 25, एम.कॉम

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नवी वख्श मंसूरी द्वारा कार्यालय साप्ताहिक मसूरी पैगाम, पैगाम प्रिन्ट से मुद्रित कराकर S.S.E./47, सेक्टर सी सवौली, कुर्सी रोड, लखनऊ-21 से प्रकाशित। Mob.: 99352136..

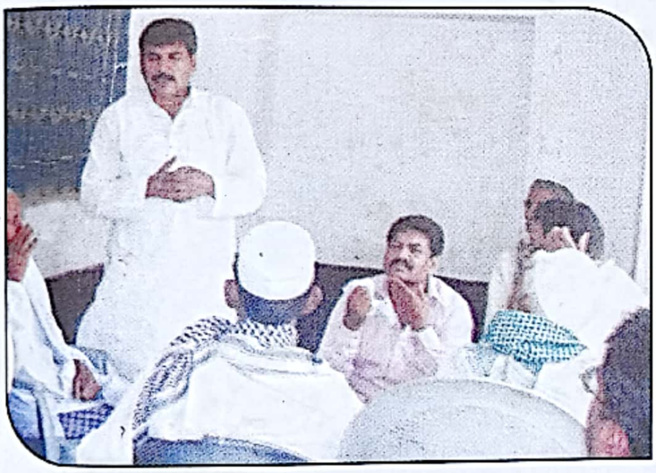

ग्राम - खास मऊ, जिला फतेहपुर और चित्रकूट मण्डल, कसबा - मऊ,
ग्राम - पहाड़ी में कांफ्रेस को ख़िताब करते हुए जनाब अनीस मंसूरी, लखनऊ

फोटो का हवाला पेज 7 पर देखे